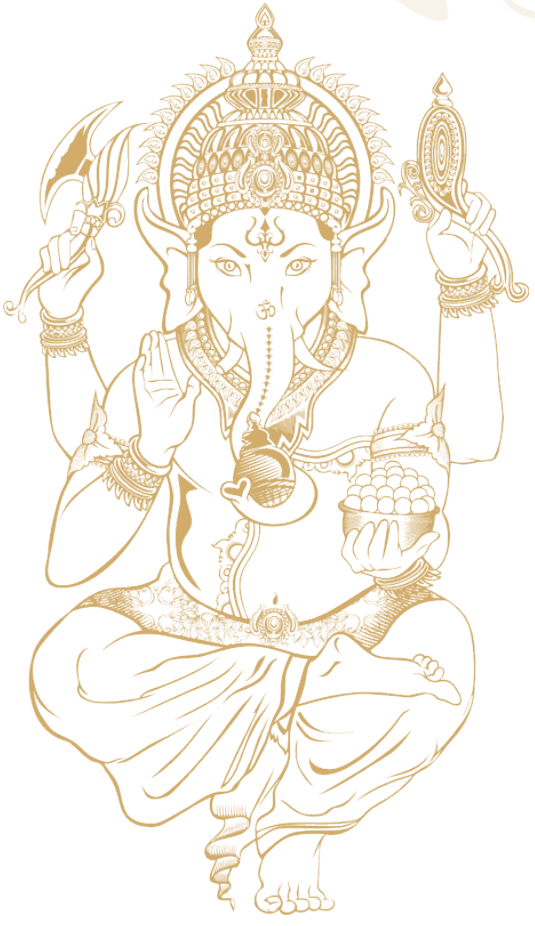

Vikash Malik

15 Jun 1995

04:45 PM

Jabalpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121881015

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**15/06/1995**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**16:45:00 घंटे**
इष्ट	28:21:55 घटी
स्थान	**Jabalpur**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	23:10:00 उत्तर
रेखांश	79:57:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:10:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:34:48 घंटे
वेलान्तर	-00:00:18 घंटे
साम्पातिक काल	10:07:53 घंटे
सूर्योदय	05:24:14 घंटे
सूर्यास्त	18:56:54 घंटे
दिनमान	13:32:40 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	00:06:22 मिथुन
लग्न के अंश	01:56:24 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	ब्रह्म
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	भो-भोजराज
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	01:56:24	315:36:37	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
सूर्य			मिथु	00:06:22	00:57:17	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	सम राशि
चंद्र			मक	02:44:21	14:51:18	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	सम राशि
मंगल			सिंह	16:17:16	00:30:52	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि
बुध	व	अ	वृष	16:08:22	00:08:01	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	मित्र राशि
गुरु	व		वृश्चि	14:58:30	00:07:09	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	मित्र राशि
शुक्र			वृष	12:01:56	01:13:03	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	स्वराशि
शनि			मीन	00:35:34	00:02:04	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	सम राशि
राहु	व		तुला	10:37:55	00:06:42	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		मेष	10:37:55	00:06:42	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	मित्र राशि
हर्ष	व		मक	06:01:31	00:01:47	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मक	01:10:17	00:01:19	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	04:44:58	00:01:27	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
दशम भाव			सिंह	06:04:52	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:46

लग्न-चलित

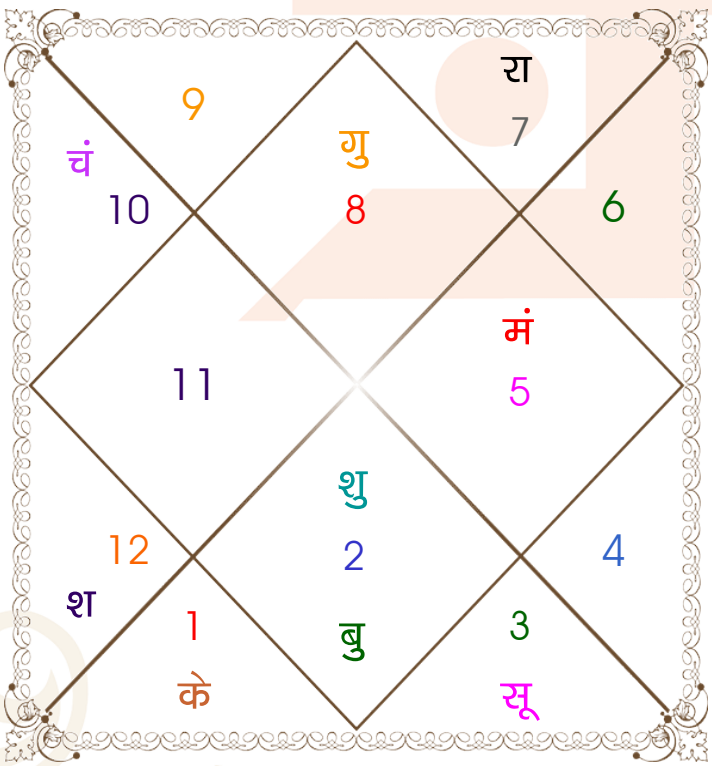

चन्द्र कुंडली

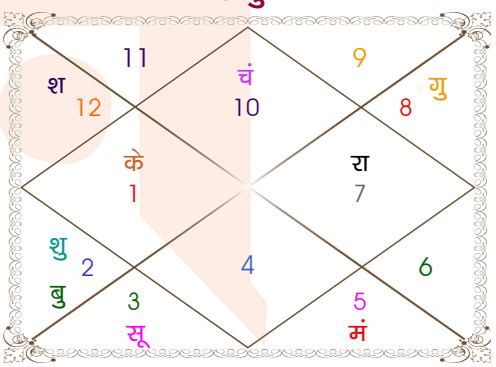

नवमांश कुंडली

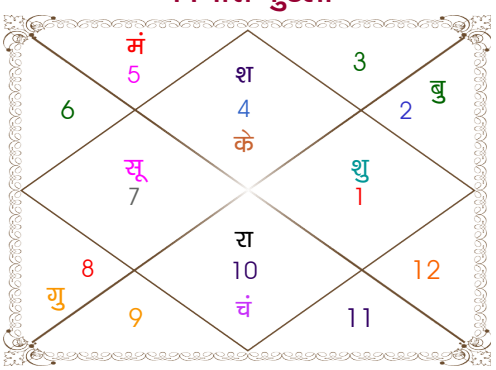

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 3 वर्ष 3 मास 6 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
15/06/1995		21/09/1998		20/09/2008		21/09/2015		20/09/2033	
21/09/1998		20/09/2008		21/09/2015		20/09/2033		20/09/2049	
	00/00/0000	चंद्र	22/07/1999	मंगल	16/02/2009	राहु	03/06/2018	गुरु	09/11/2035
	00/00/0000	मंगल	20/02/2000	राहु	07/03/2010	गुरु	27/10/2020	शनि	22/05/2038
	00/00/0000	राहु	21/08/2001	गुरु	11/02/2011	शनि	03/09/2023	बुध	27/08/2040
	15/06/1995	गुरु	21/12/2002	शनि	21/03/2012	बुध	22/03/2026	केतु	03/08/2041
गुरु	28/07/1995	शनि	21/07/2004	बुध	19/03/2013	केतु	09/04/2027	शुक्र	03/04/2044
शनि	09/07/1996	बुध	21/12/2005	केतु	15/08/2013	शुक्र	09/04/2030	सूर्य	20/01/2045
बुध	16/05/1997	केतु	22/07/2006	शुक्र	15/10/2014	सूर्य	04/03/2031	चंद्र	22/05/2046
केतु	20/09/1997	शुक्र	21/03/2008	सूर्य	20/02/2015	चंद्र	02/09/2032	मंगल	28/04/2047
शुक्र	21/09/1998	सूर्य	20/09/2008	चंद्र	21/09/2015	मंगल	20/09/2033	राहु	20/09/2049

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
20/09/2049		20/09/2068		20/09/2085		20/09/2092		21/09/2112	
20/09/2068		20/09/2085		20/09/2092		21/09/2112		00/00/0000	
शनि	23/09/2052	बुध	17/02/2071	केतु	16/02/2086	शुक्र	21/01/2096	सूर्य	09/01/2113
बुध	03/06/2055	केतु	14/02/2072	शुक्र	19/04/2087	सूर्य	20/01/2097	चंद्र	10/07/2113
केतु	12/07/2056	शुक्र	15/12/2074	सूर्य	24/08/2087	चंद्र	21/09/2098	मंगल	15/11/2113
शुक्र	12/09/2059	सूर्य	21/10/2075	चंद्र	25/03/2088	मंगल	21/11/2099	राहु	10/10/2114
सूर्य	24/08/2060	चंद्र	22/03/2077	मंगल	21/08/2088	राहु	21/11/2102	गुरु	16/06/2115
चंद्र	25/03/2062	मंगल	19/03/2078	राहु	08/09/2089	गुरु	22/07/2105		00/00/0000
मंगल	04/05/2063	राहु	05/10/2080	गुरु	15/08/2090	शनि	21/09/2108		00/00/0000
राहु	10/03/2066	गुरु	11/01/2083	शनि	24/09/2091	बुध	23/07/2111		00/00/0000
गुरु	20/09/2068	शनि	20/09/2085	बुध	20/09/2092	केतु	21/09/2112		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 3 वर्ष 3 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहते है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।